→ मूल्य और मानदण्ड सार्वभौमिक नहीं होते बल्कि सामाजिक समूह या समुदाय के अनुसार बदलते रहते हैं।

● निष्कर्ष :-

टी० पार्सन्स का प्रतिरूप चर समाजशास्त्रीय विश्लेषण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से हम यह समझ सकते हैं कि विभिन्न समाजों में व्यक्ति का स्थान और सामाजिक भूमिका किन मूल्यों, मानदण्डों और परिस्थितियों के आधार पर निर्धारित होती है।

by :-

Dr. Sangeeta Prakash.